❖ ...आखिर 'करोड़ों' के धान 'गायब/गबन' होने का 'जिम्मेदार' कौन ? 2
❖ दिन भर 'छाए' रहे सांसद 'हरीश द्विवेदी' 'करोड़ों' का किया 'लोकार्पण/शिलान्यास' 5
❖ अंबानी से ज्यादा मजबूत हुए अडानी, प्रभावशाली भारतीय में निकले आगे 7
❖ अलग हो गए हैं कुमकुम भाग्य अभिनेता अभिषेक... 12

अखबार वो जो दिखाता है सच

हिन्दी दैनिक

तेजयुग न्यूज़

स्थापना दिवस 2024

www.tejyug.com

• वर्ष/year : 01 • अंक/issu : 60 • पृष्ठ/page 12 • मूल्य/rate : 3 ₹

• शुक्रवार, 01 मार्च, 2024
• Friday, 01 March, 2024

हापुड़ से प्रकाशित/ Published From Hapur

UPHIN/2023/51292

विपक्षी गठबंधन के दलों का सीएए के खिलाफ राज्य भर में बंद का आह्वान

सरकार के साथ-साथ अमित शाह को दी है चेतावनी

- विरोधी प्रदर्शन के पहले ही तीन लोग हिरासत में
- बंद से हुए नुकसान पर हाईकोर्ट के आदेश की पुष्टि

तेजयुग न्यूज

गुवाहाटी : असम में 16 पार्टियों वाला विपक्षी गठबंधन राज्य में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू करने को लेकर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को ज्ञापन सौंपा है। इस सिलसिले में असम की 16 विपक्षी पार्टियों ने आज गुवाहाटी में अहम बैठक की।

बैठक में राज्य में सीएए के कार्यान्वयन के संबंध में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव अपनाए गए। कल सुबह 10 बजे विपक्षी दल राज्यपाल से मिलकर सीएए लागू करने के खिलाफ अपना ज्ञापन सौंपेंगे। विपक्षी दलों ने संकल्प लिया है कि यदि राज्य में सीएए लागू किया जाता है, तो राज्य में व्यापक विरोध प्रदर्शन होगा और वे राज्य भर में बंद का आह्वान करेंगे।

असम के 16 विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार के साथ-साथ गृह मंत्री अमित शाह को चेतावनी दी है कि अगर नागरिकता संशोधन विधेयक असम में लागू करने की कोशिश करता है, तो परिणाम भयानक हो सकते हैं। सभी विपक्षी दलों ने असम सरकार और केंद्रीय गृह मंत्रालय को चुनौती दी है कि असम और पूर्वोत्तर में नागरिकता संशोधन कानून लागू नहीं किया जाना चाहिए। आज सुबह 16 विपक्षी दलों के नेताओं ने राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंपा। पार्टियों ने यह भी संकल्प लिया है कि असम में सीएए लागू होने के अगले

दिन वे बंद का आह्वान करेंगे और इस कदम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

विपक्षी दलों ने यह भी संकल्प लिया है कि वे जनता भवन या राज्य सचिवालय का घेराव करेंगे और वहां सभी गतिविधियों को बाधित करेंगे। 16 विपक्षी दलों ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के सभी लोगों से सीएए विरोधी आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया है। बैठक में कांग्रेस, रायजोर दल, तृणमूल कांग्रेस, असम जातीय परिषद और अन्य पार्टियों ने भाग लिया। शिवसागर विधायक अखिल गोगोई ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने असम में सीएए विरोधी प्रदर्शनों से पहले कम से कम तीन छात्र नेताओं को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नेताओं की पहचान रायजोर दल के महासचिव जहीरुद्दीन लस्कर, तिनसुकिया जिले के सचिव उमानंद मारन के रूप में की गई है। छात्र मुक्ति संग्राम समिति और धुबरी जिला कृषक मुक्ति के सचिव रतुल रॉय। लोकसभा चुनाव से पहले असम में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन फिर शुरू हो गया। इसके अलावा, सीएए विरोधी समन्वय समिति, असम द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण रैली 17 फरवरी को गुवाहाटी के लखीधर बोरा क्षेत्र में आयोजित की गई थी।इस कार्यक्रम में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, रायजोर, असम जातीय परिषद और सीपीआई-एम जैसे वामपंथी दलों सहित विपक्षी दलों के सदस्यों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान जनता को संबोधित करते हुए, सीएए विरोधी पार्टी के अध्यक्ष डॉ हिरेन गोहेन समन्वय समिति ने असम में सीएए लागू करने के राजनीतिक रूप से प्रेरित कदम के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने बंद और विभिन्न संगठनों, यूनियनों और व्यक्तियों द्वारा बुलाए गए नाकेबंदी के कारण राज्य को हुए नुकसान के मुद्दे पर कहा कि गौहाटी उच्च न्यायालय के 2019 के आदेश के अनुसार सरकार को हुए नुकसान की भरपाई करने का अधिकार है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने किसान आंदोलन के संबंध में गंभीर बात कही

मोदी के किसानों से किये वादे फर्जी निकले: खडगे

- वादा करने के बाद भी मुकर गये पीएम
- पूरे देश में रोजगार का बहुत बुरा हाल
- हिमाचल में ऑपरेशन लोटस फेल हुआ

राष्ट्रीय खबर

नयी दिल्ली: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों से जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं कर देश के किसानों के साथ विश्वासघात किया है। श्री खडगे ने गुरुवार को एक्स पर कहा, 16 साल पहले, कांग्रेस-संप्रग सरकार ने 3.73 करोड़ किसानों का 72,000 करोड़ कृषि ऋण तथा ब्याज माफ किया था। ये कांग्रेस की गारंटी थी जो पूरी हुई।

केवल कांग्रेस ही अपनी गारंटी पूरी करती है। श्री मोदी पर किसानों से किए वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, मोदी जी ने किसानों से दो बड़े वादे किए, पहला, लागत और उसका 50 प्रतिशत एमएसपी का दूसरा, 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लेकिन मोदी की दोनों गारंटी फर्जी निकली और किसानों की हालत बदतर हुई। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने किसानों से फिर वादा किया है, 15 करोड़ किसान परिवारों को एमएसपी की लीगल गारंटी देंगे। जय किसान जय हिदुस्तान। इस बीच पार्टी ने एक्स पर अपने आधिकारिक पेज पर बेरोजगारी को लेकर भी सरकार पर हमला किया और कहा देश में बेरोजगारी का सच जान लीजिए। हरियाणा में चपरासी के 12 पदों पर भर्ती निकली। इन 12 पदों के लिए 9000 से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन कर दिया। बेरोजगारी का ऐसा भयावह आलम कि चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करने बलों में बीटेक तथा एमटेक डिग्रीधारी हैं। भाजपा देश के युवाओं की दुश्मन है क्योंकि ना ये नौकरी दे पा रहे हैं और ना ही पेपर लीक होने से बचा पा रहे हैं।

भाजपा की सरकारों ने युवाओं का भविष्य बेरोजगारी के अंधकार में झोंक दिया है। दूसरी तरफ कांग्रेस ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश में उसकी सरकार को अस्थिर करने की भाजपा की कोशिश विफल हुई है और वहां अब कांग्रेस सरकार को कोई खतरा नहीं है।

केंद्र सरकार ने भी अब बिजली मुफ्त देने की योजना चलायी

सौर ऊर्जा लगाने वाले घरों को मिलेगा लाभ

- एक करोड़ घरों में सौर ऊर्जा का लक्ष्य
- किसानों को उर्वरकों पर भी अनुदान
- 12 खनिजों की नीलामी को मंजूरी

तेजयुग न्यूज

नईदिल्ली: दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार की मुफ्त बिजली योजना की आलोचना करने वाली भाजपा सरकार भी अब उसी राह पर है। आज केंद्रीय मंत्रिमंडल ने छत पर सौर ऊर्जा स्थापित करने और एक करोड़ घरों के लिए हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करने के लिए 75,021 करोड़ रुपये के कुल व्यय के साथ पीएम-सूर्य घर, मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी दे दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। प्रधानमंत्री ने गत 13 फरवरी को इस योजना की शुरुआत की थी। यह योजना 2 किलोवाट सिस्टम के लिए सिस्टम लागत का 60 प्रतिशत सीएफए और 2 से 3 किलोवाट क्षमता के सिस्टम के लिए 40 प्रतिशत अतिरिक्त सिस्टम लागत प्रदान करती है। सीएफए को 3 किलोवाट पर सीमित किया जाएगा। मौजूदा बेंचमार्क कीमतों पर 1

किलोवाट सिस्टम के लिए 30,000 रुपये, 2 किलोवाट सिस्टम के लिए 60,000 रुपये और 3 किलोवाट सिस्टम या उससे अधिक के लिए 78,000 रुपये की सब्सिडी होगी। लोग परिवार राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से सब्सिडी के लिए आवेदन करेंगे और छत पर सौर ऊर्जा स्थापित करने के लिए एक उपयुक्त विक्रेता का चयन करने में सक्षम होंगे। राष्ट्रीय पोर्टल उचित सिस्टम आकार, लाभ कैलकुलेटर, विक्रेता रेटिंग आदि जैसी प्रासंगिक जानकारी प्रदान करके परिवारों को उनकी निर्णय लेने की प्रक्रिया में सहायता करेगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में छत पर सौर ऊर्जा अपनाने के लिए रोल मॉडल के रूप में कार्य करने के लिए देश के प्रत्येक जिले में एक मॉडल सौर गांव विकसित किया जाएगा। शहरी स्थानीय निकाय और पंचायती राज संस्थान भी अपने क्षेत्रों में आरटीएस स्थापनाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन से लाभान्वित होंगे। यह योजना नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी (आरईएससीओ) आधारित मॉडलों के लिए भुगतान सुरक्षा के लिए एक घटक के साथ-साथ आरटीएस में नवीन परियोजनाओं के लिए एक फंड प्रदान करती है। इस योजना के माध्यम से परिवार बिजली बिल बचाने के साथ-साथ डिस्कॉम को अधिशेष बिजली की बिक्री के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित कर सकेंगे।

सरकार ने आगामी खरीफ सत्र 2024 के लिये फॉस्फोरस और पोटाश (पीएन्डके) उर्वरकों के लिये पोषण तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) की दरें गुरुवार को तय कीं। खरीफ सत्र में सरकार द्वारा इसके लिये बजट से 24,400 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता दिये जाने का अनुमान है। एनबीएस की दरें निर्धारित करने के साथ-साथ उर्वरकों की तीन नयी श्रेणियों को भी पोषण आधारित सब्सिडी योजना के अन्तर्गत लाने का फैसला किया गया है।

अगले 100 दिनों के भीतर तीनों इकाइयों का निर्माण शुरू हो जाएगा

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को 125600 करोड़ रुपये के निवेश और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष तौर पर करीब 80 हजार रोजगार के अवसर सृजित करने वाली तीन और सेमीकंडक्टर इकाइयों को मंजूरी प्रदान कर दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आज यहां हुयी बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। मंत्रिमंडल ने भारत में सेमीकंडक्टरों और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास के तहत तीन सेमीकंडक्टर इकाइयों की स्थापना को मंजूरी दी। अगले 100 दिनों के भीतर तीनों इकाइयों का निर्माण शुरू हो जाएगा। भारत में सेमीकंडक्टर्स और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास के लिए कार्यक्रम दिसंबर 2021 में कुल 76 हजार करोड़ रुपये के व्यय के साथ अधिसूचित किया गया था।

बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जिलों में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की मांग

गुवाहाटी : मणिपुर पुलिस विभाग ने 27 फरवरी, 2024 की शाम को अरामबाई टेंगोल समूह द्वारा इंफाल पश्चिम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) और अन्य अधिकारियों पर जानलेवा हमले की कड़ी निंदा की है। हमलावरों ने मोइरांगथेम अमित सिंह (अतिरिक्त एसपी, ऑप्स, आईडब्ल्यू) के परिवार को भी धमकी दी। घरों और संपत्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया, और यहां तक कि विभाग के समय पर हस्तक्षेप के कारण रिहा होने से पहले अतिरिक्त एसपी का अपहरण और हमला भी किया। मणिपुर पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा, इस घटना के बारे में सोशल मीडिया सहित विभिन्न प्लेटफार्मों पर गलत सूचना फैलाई जा रही है, जिससे अधिकारी और पुलिस विभाग की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच रहा है। यह घटना सरकार की दो एम्बेसडर कारों की चोरी से पहले हुई थी।

टाटा इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों का बहुत बड़ा दावा

सौ रुपये की टैबलेट से ठीक होगा कैंसर

तेजयुग न्यूज

मुंबई: टाटा इंस्टीट्यूट ने कैंसर के इलाज में सफलता का दावा किया है, जिसमें यह बताया गया है कि मात्र 100 रुपये की टैबलेट से यह जानलेवा बीमारी ठीक होगी। टाटा मेमोरियल सेंटर (टीएमसी) ने अपने शोध में कहा कि मरने वाली कैंसर कोशिकाएं कोशिका-मुक्त क्रोमैटिन कण (सीएफसीएचपी, या क्रोमोसोम के टुकड़े) छोड़ती हैं जो स्वस्थ कोशिकाओं को कैंसर में बदल सकती हैं।

मुंबई में टाटा इंस्टीट्यूट, एक प्रमुख कैंसर अनुसंधान और भारत में उपचार सुविधा ने एक ऐसे उपचार की खोज करने का दावा किया है जो कैंसर को दूसरी बार फिर से उभरने से रोक सकता है। संस्थान के शोधकताओं और डॉक्टरों ने 10 साल तक काम किया और अब एक ऐसी गोली विकसित की है जिसके बारे में उनका दावा है कि यह मरीजों में दूसरी बार कैंसर होने से रोकेगी और विकिरण और कीमोथेरेपी जैसे उपचारों के दुष्प्रभावों को भी 50 प्रतिशत तक कम कर देगी। टाटा मेमोरियल अस्पताल के

वरिष्ठ कैंसर सर्जन डॉ. राजेंद्र बडवे, जो शोध समूह का हिस्सा थे, ने कहा, शोध के लिए चूहों में मानव कैंसर कोशिकाएं डाली गईं, जिससे उनमें ट्यूमर बन गया। विकिरण चिकित्सा, कीमोथेरेपी और सर्जरी के साथ इलाज किया गया। यह पाया गया कि जब ये कैंसर कोशिकाएं मर जाती हैं, तो वे छोटे टुकड़ों में टूट जाती हैं जिन्हें क्रोमैटिन कण कहा जाता है। ये कण रक्तप्रवाह के माध्यम से शरीर के अन्य भागों में जा सकते हैं और जब वे स्वस्थ कोशिकाओं में प्रवेश करते हैं, तो वे उन्हें कैंसरग्रस्त बना देते हैं।

टाटा मेमोरियल सेंटर (टीएमसी) ने अपने शोध में कहा कि मरने वाली कैंसर कोशिकाएं कोशिका-मुक्त क्रोमैटिन कण (सीएफसीएचपी, या क्रोमोसोम के टुकड़े) छोड़ती हैं जो स्वस्थ कोशिकाओं को कैंसर कोशिकाओं में बदल सकती हैं। कुछ सीएफसीएचपी स्वस्थ गुणसूत्रों के साथ जुड़ सकते हैं और नए ट्यूमर का कारण बन सकते हैं। डॉ. बडवे ने बताया, इस समस्या का समाधान खोजने के लिए, डॉक्टरों ने चूहों को रेस्वेराट्रोल और कॉपर (आर+सीयू) के साथ प्रो-ऑक्सीडेंट गोलियां दीं। आर+सीयू ऑक्सीजन रेडिकल उत्पन्न करता है, जो क्रोमैटिन कणों को नष्ट कर देता है। मौखिक रूप से लेने पर आर+सीयू पेट में ऑक्सीजन रेडिकल्स उत्पन्न करता है जो रक्त परिसंचरण में प्रवेश करने के लिए जल्दी से अवशोषित हो जाते हैं। ऑक्सीजन रेडिकल्स परिसंचरण में जारी सीएफएचपी को नष्ट कर देते हैं और मेटास्टेसिस को रोकते हैं - कैंसर कोशिकाओं को शरीर के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में ले जाना।

आविष्कार बैटरियों में आग लगने अथवा विस्फोट को दूर करने का उपाय

नई पानी की बैटरियां दबाव में ठंडी रहती हैं

- खास गुण के कारण ही वॉटर बैटरी नाम

तेजयुग न्यूज

रांची : आरएमआईटी विश्वविद्यालय के नेतृत्व में शोधकताओं और उद्योग सहयोगियों की एक वैश्विक टीम ने पुनर्चक्रण योग्य वॉटर बैटरी का आविष्कार किया है जो आग नहीं पकड़ेगी या विस्फोट नहीं करेगी। लिथियम-आयन ऊर्जा भंडारण अपनी तकनीकी परिपक्वता के कारण बाजार पर हावी है, लेकिन बड़े पैमाने पर ग्रिड ऊर्जा भंडारण के लिए इसकी

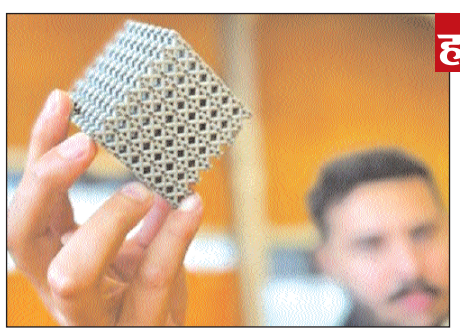

हमारी बैटरियां अब काफी लंबे समय तक चलती है

शोध दल ने दावा किया है, हमारी बैटरियां अब काफी लंबे समय तक चलती हैं - बाजार में वाणिज्यिक लिथियम-आयन बैटरियों की तुलना में - जो उन्हें वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों में उच्च गति और गहन उपयोग के लिए आदर्श बनाती हैं। टीम की जल बैटरी ऊर्जा घनत्व के मामले में लिथियम-आयन तकनीक के साथ अंतर को कम कर रही है, जिसका उद्देश्य प्रति यूनिट बिजली की कम से कम जगह का उपयोग करना है। इस टीम ने हाल ही में एक मैग्नीशियम-आयन वॉटर बैटरी बनाई है जिसकी ऊर्जा घनत्व 75 वाट-घंटे प्रति किलोग्राम है - जो नवीनतम टेस्ला कार बैटरी के 30 प्रतिशत तक है। इसका अगला कदम इलेक्ट्रोड सामग्री के रूप में नई नैनो सामग्री विकसित करके हमारी जल बैटरियों की ऊर्जा घनत्व को बढ़ाना है। मैग्नीशियम-आयन वॉटर बैटरियों में अल्पावधि में - जैसे एक से तीन साल में - लेड-एसिड बैटरी को बदलने की क्षमता होती है - और अब से 5 से 10 साल बाद, लंबी अवधि में संभावित लिथियम-आयन बैटरी को बदलने की क्षमता होती है। मैग्नीशियम जस्ता और निकल सहित वैकल्पिक धातुओं की तुलना में हल्का है, इसमें संभावित ऊर्जा घनत्व अधिक है और यह बैटरी को तेज चार्जिंग समय और बिजली की खपत करने वाले उपकरणों और अनुप्रयोगों का समर्थन करने में बेहतर क्षमता प्रदान करेगा।

उपयुक्तता अंदर की अस्थिर सामग्रियों के साथ सुरक्षा चिंताओं के कारण सीमित है। दरअसल इसी गुण की वजह से इन बैटरियो को बॉटर बैटरी का खिताब दिया गया है। प्रमुख शोधकर्ता प्रतिष्ठित प्रोफेसर तियान्यी मा ने कहा कि उनकी बैटरियां जलीय ऊर्जा भंडारण उपकरणों के उभरते क्षेत्र में अग्रणी हैं, ऐसी सफलताओं के साथ जो प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन और जीवनकाल में काफी सुधार करती हैं। आरएमआईटी के स्कूल ऑफ साइंस के मा ने कहा, हम जो डिजाइन और निर्माण करते हैं उसे जलीय धातु-आयन बैटरी कहा जाता है या हम उन्हें पानी की बैटरी कह सकते हैं।

फैशन के चक्कर में जान जाते जाते बची लड़की की

ड्रेस में अरबी शब्द देखकर भीड़ ने कुछ और समझा

तेजयुग न्यूज

इस्लामाबाद: पाकिस्तान में एक लड़की जान जाते जाते बची। दरअसल उस पर धर्म का अपमान करने का आरोप लगा था और भीड़ ने उसे चारों तरफ से घेर लिया था। एक युवा पाकिस्तानी लड़की ने अरबी में सुलेख बनाया क्योंकि उसे कपड़ों का शौक था।

उस निर्णय ने व्यावहारिक रूप से उनकी जान को खतरे में डाल दिया था। कुछ लोगों ने यह बात फैला दी कि युवती ने अपनी पोशाक पर कुरान की आयत उकेरकर धर्म का अपमान किया है। सड़क पर जाते लोग बिना कुछ सोचे समझे ही

इस विरोध में शामिल होते चले गये। धीरे धीरे यह एक बड़ी भीड़ में तब्दील हो गयी तो इस्लाम के विरोध के नाम पर उस लड़की को मार डालना चाहते थे। खबर पाकर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो युवती एक रेस्टोरेंट के कोने वाली टेबल पर बैठी थी और डर से कांप रही थी। अपने चेहरे को दोनों हाथों से ढकें। पुलिस ने आक्रोशित भीड़ को समझा-बुझाकर उसे सुरक्षित हिरासत में ले लिया। बाद में उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। इस विवाद का निपटारा उन विद्वानों ने आकर किया, जिन्हें अरबी भाषा की जानकारी थी। उनलोगों ने पढ़कर बताया कि इस पोशाक पर अरबी शब्द हलवा लिखा हुआ है, जिसका अर्थ सुंदर होता है। इससे साफ हो गया कि वहां मौजूद भीड़ में से किसी को भी अरबी नहीं आती थी।